28 / 06 / 77 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

लाईट रूप, महादानी, वरदानी स्वरुप का अनुभव

➢➢ मैं निराकारी आत्मा हूँ...

➳_ ➳ निराकारी दुनिया में...

➳_ ➳ आवाज से परे की दुनिया में स्थित हूँ..

➳_ ➳ जहाँ सम्पूर्ण शान्ति है...

➳_ ➳ यहाँ की सम्पूर्ण शांति मुझ में समाती जा रही है..

➳_ ➳ साइलेंस की शक्ति मुझ में समा रही है...

➳_ ➳ इस के द्वारा मैं विस्तार को सार में समा रही हूँ...

→ कल्याण की भावना से

→ पावरफुल स्टेज द्वारा

→ सबको आत्मिक स्मृति दिला रही हूँ..

→ शक्तियाँ खजाने व्यर्थ न जाए, इस पर विशेष अटेंशन दे रही हूँ...

→ असीम ख़ुशी व शक्तिशाली स्थिति का अनुभव कर रही हूँ..

- मैं विश्व कल्याणकारी आत्मा हूँ...
- समय व शक्तियां सर्व की सेवा में लगा रही हूँ...
- खजानों की इकानामी कर रही हूँ...
- मैं बेहद की सेवा के निमित्त हूँ...
- मैं मास्टर रचता हूँ...
- निमित्त बन सेवा कर रही हूँ...

➢➢ मैं स्वयम की हर सब्जेक्ट में चेकिंग कर रही हूँ...

➳_ ➳ मैं विश्व सेवाधारी हूँ...

➳_ ➳ अपना तन मन धन सब ईश्वरीय सेवा में लगा रही हूँ...

➳_ ➳ सभी वेस्ट को खत्म कर रही हूँ...

➳_ ➳ मैं बिलकुल हल्की, लाईट आत्मा हूँ...

→ हर कदम में पदम् जमा कर रही हूँ..

→ मैं बिलकुल हल्का फ़रिश्ता हूँ...

→ मैं महादानी आत्मा हूँ...

- सर्व खजाने महादानी बन दान कर रही हूँ...
- मैं वरदानी मूर्त हूँ..
- रहमदिल आत्मा हूँ...
- विश्व कल्याण के निम्त्त बन रही हूँ...

- सभी के लिए मेरे मन में शुभ भावना शुभ कामना है..